[This question Paper contains 2 printed pages.]

Roll No. :	.....
Unique Paper Code:	**121302403**
Title of the Paper:	**EC-B 401: ब्रह्मसूत्र (Brahmasūtra)**
Name of the Course:	**MA Sanskrit Examination, May 2023**
Semester:	**IV**
Duration:	**03 HRS**
Maximum Marks:	**70**

इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written either in **Sanskrit** or **Hindi** or in **English.**

अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर **संस्कृत** अथवा **हिन्दी** अथवा **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए।

1. **निम्नलिखित की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए :** **7x4=28**
   Explain the following with reference to the context:

   (क) उच्यते, देहेन्द्रियादिषु अहंममाभिमानरहितस्य प्रमातृत्वानुपपत्तौ प्रमाणप्रवृत्त्यनुपपत्तेः।

   अथवा / Or

   तद् ब्रह्म सर्वज्ञं सर्वशक्ति जगदुत्पत्तिस्थितिलयकारणं वेदान्तशास्त्रादेवावगम्यते। कथम्? समन्वयात्।

   (ख) ब्रह्मणो जिज्ञासा ब्रह्मजिज्ञासा। ब्रह्मण: इति कर्मणि षष्ठी, 'कर्तृकर्मणो: कृति' इति विशेषविधानात्।

   अथवा / Or

   अध्ययनं च स्वाध्यायसंस्कार:; 'स्वाध्यायोऽध्येतव्य:' इति स्वाध्यायस्य कर्मत्वावगमात्।

   (ग) दृश्यते तु। **अथवा/or** वैषम्यनैर्घृण्ये न सापेक्षत्वात्तथाहि दर्शयति।

   (घ) भोक्त्रापत्तेरविभागश्चेत्स्याल्लोकवत्। **अथवा/or** अधिकं तु भेदनिर्देशात्।

2. **निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए, जिसमें से एक <u>संस्कृत</u> में हो:** **5+5+5+7=22**
   Write notes on the following in which one should be in <u>Sanskrit</u>:

(क) अनिर्वचनीयख्याति	**अथवा/or**	अध्यास
(ख) सगुणब्रह्म	**अथवा/or**	ध्रुवानुस्मृति
(ग) स्मृत्यनवकाश	**अथवा/or**	लीलाकैवल्य
(घ) प्रधानकारणतावाद	**अथवा/or**	विज्ञानवाद

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए – **10x2=20**

Answer the following questions –

(क) आचार्य शंकर के अनुसार 'ब्रह्मजिज्ञासा' के स्वरूप का विवेचन कीजिए।

Discuss the concept of 'Brahmajijñāsā' according to Āchārya Śaṅkara.

अथवा/ or

ब्रह्मसूत्रशांकरभाष्य के अनुसार 'आरम्भणाधिकरण' का विवेचन कीजिए।

Discuss the concept of 'Ārambhṅādhikaraṅa' according to Āchārya Śaṅkara.

(ख) आचार्य रामानुज के अनुसार 'ब्रह्मजिज्ञासा कर्मज्ञानसापेक्ष है'; विवेचन कीजिए।

Āchārya Rāmānuja opines that 'Enquiry into Brahman presupposes the knowledge of Karman.' Discuss.

अथवा / or

शांकरभाष्य एवं श्रीभाष्य के आधार पर 'पाञ्चरात्र मत' की समीक्षा कीजिए।

Critically evaluate the 'Pāñcrātra doctrine' on the basis of Śāṅkarbhāṣya and Śrībhāṣya.